भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं.1781
16/03/2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

गहन महासागर मिशन और समुद्री संसाधनों का अत्यधिक दोहन

1781. डा. कनिमोझी एनवीएन सोमू:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने इस आशंका पर ध्यान दिया है कि गहन महासागर मिशन के परिणामस्वरूप कॉर्पोरेट घरानों द्वारा समुद्री संसाधनों का अत्यधिक दोहन होगा जिससे देश में लाखों मछुआरों का जीवन और आजीविका की प्रभावित होगी;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस संबंध में मछुआरों, विशेषज्ञों और राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ चर्चा करने के लिए कोई कदम उठाए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं , तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या गहन महासागर मिशन सरकार की ब्लू इकोनॉमी पहल से संबंधित है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) डीप ओशन मिशन के परिणामस्वरूप कॉरपोरेट घरानों द्वारा समुद्री संसाधनों का कोई अत्यधिक दोहन नहीं होगा, तथा इससे देश में मछुआरों के जीवन एवं जीविका पर कोई असर नहीं पड़ेगा। डीप ओशन मिशन का उद्देश्य समुद्र की गहराई में संसाधनों का अन्वेषण करना तथा उनके संवहनीय उपयोग हेतु प्रौद्योगिकियां विकसित करना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संभावित नए संसाधनों की पहचान करना तथा भविष्य में उनके दोहन हेतु प्रौद्योगिकी विकसित करना है, जिससे लोगों के जीवनयापन हेतु अतिरिक्त अवसर का सृजन किया जा सके। डीप ओशन मिशन को केंद्र एवं राज्य सरकार के हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद तैयार किया गया था।

(ख) मिशन को तैयार करते समय केंद्र एवं राज्य सरकार के विशेषज्ञों के साथ परामर्श किए गए थे।

(ग) जी, हां। डीप ओशन मिशन का संबंध ब्ल्यू इकोनॉमी के साथ है। डीप ओशन मिशन की गतिविधियां ब्ल्यू इकोनॉमी के प्रत्येक घटक नामत: मत्स्य पालन, पर्यटन एवं समुद्री ट्रांसपोर्ट, अक्षय ऊर्जा, एक्वाकल्चर, समुद्री निष्कर्षक गतिविधियां तथा समुद्री जैवप्रौद्योगिकी में सहायता करेंगी।

*****